आफरी में 'मरुस्थल में विज्ञान के बढ़ते आयाम'
विषय पर आयोजित संगोष्ठी की संक्षिप्त रिपोर्ट

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर में दिनांक 10.3.2017 को आफरी एवं विज्ञान परिषद प्रयाग, जोधपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में हिन्दी वैज्ञानिक संगोष्ठी जिसका विषय 'मरुस्थल में विज्ञान के बढ़ते आयाम' था का आयोजन हुआ । संगोष्ठी में काजरी, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण, जोधपुर आदि के वैज्ञानिकों की सहभागिता रही।

वैज्ञानिक शोधों के परिणामों में राजभाषा के प्रयोग पर जोर

आफरी में 'मरूस्थल में विज्ञान के बढ़ते आयाम' पर संगोष्ठी

आफरी में 'मरूस्थल में विज्ञान के बढ़ते आयाम' पर आयोजित संगोष्ठी में संबोधित करते वक्ता।

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

बासनी/जोधपुर। वैज्ञानिक शोधों के परिणामों का राजभाषा में प्रचार प्रसार करने से ही इनकी प्रासंगिता सही मायनों में प्राप्त की जा सकती है। वर्तमान में विज्ञान के क्षेत्र में अनेक पत्र पत्रिकाओं द्वारा विज्ञान का प्रचार प्रसार हो रहा है तथा इस प्रकार अधिक से अधिक संख्या में लोगों तक विज्ञान की पहुंच हुई है जो निःसंदेह देश की प्रगति के लिए उत्तम है।

यह उद्गार शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) के निदेशक एनके बासु मरूस्थल में विज्ञान के बढ़ते आयाम'' विषयक संगोष्ठी में अपने अध्यक्षीय संबोधन में व्यक्त किए। उन्होंने बताया कि आफरी द्वारा भी विभिन्न पैम्पलेट पत्र वाचन और आफरी दर्पण पत्रिका में हिन्दी में विज्ञान को बढावा दिया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विज्ञान परिषद जोधपुर के सभापति एमएल माथुर ने विज्ञान परिषद का परिचय देते हुए बताया कि यह 1903 से प्रयाग में कार्यरत है। जोधपुर शाखा 1993 से शुरू हुई है। इस प्रकार अपने स्वर्ण जयन्ती वर्ष में यह परिषद हिन्दी अनेक कार्यक्रमों का आयोजन करेगी। संगोष्ठी के बारे में डॉ. डीडी ओझा ने हिन्दी में विज्ञान के प्रचार प्रसार की महत्ता बताई। संगोष्ठी में डॉ. डी. कुमार, सेवानिवृत प्रधान वैज्ञानिक काजरी ने मरूस्थल में दलहन उत्पादन पर, आफरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. जी. सिंह ने थार मरूस्थल-ऐतिहासिक एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर मरू प्रादेशिक प्राणी सर्वेक्षण विभाग के पूर्व संयुक्त निदेशक डॉ. एनएस राठौड़ ने मरूस्थल में जैव विविधता पर व डॉ. डीडी ओझा ने मरूस्थल में भूजल की चिंतनीय स्थिति एवं समाधान पर व्याख्यान दिया।

इन्होंने भी दिया व्याख्यान

आफरी के वैज्ञानिक एवं जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. एनके बोहरा ने मरू क्षेत्र में औषधीय पौधों की जैव विविधता पर और डॉ. टीएस राठौड़ ने मरूस्थल में विज्ञान के सोपान पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का संचालन आफरी हिन्दी अधिकारी कैलाश गुप्ता और रक्षा प्रयोगशाला के राकेश श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम में काजरी, आफरी एवं विज्ञान परिषद से जुड़े अनेक वैज्ञानिक एवं आफरी के कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। डॉ. टीएस राठौड़ का विज्ञान परिषद की ओर से सम्मान किया गया।

विज्ञान संगोष्ठी की झलकियाँ